Bhajan ki lyrics

Bhajankilyrics

कटे घड़ायो गजरो कटे घडायो बाजू भजन लिरिक्स

Downloaded on: April 30, 2025

कटे घड़ायो गजरो कटे घडायो बाजू भजन लिरिक्स ।। दोहा ।। राम नाम रटते रहो, जब तक घट में प्राण। कबहुँ दिन दयाल के, मनक पड़े सो काम। ~ कटे घड़ायो गजरो ~ कटे घड़ायो गजरो, ओ कटे घडायो बाजू। कटे घडायी रे राम थारी मुंदडली। गोकुल घडायो गजरो, ओ मथुरा घडायो बाजू। आ हेजे घडाई ओ हरि थारी मुंदडली। कतरा लाख रो गजरो, ओ कतरा लाख रो बाजू। कतरा लाख री रे हरि थारी मुंदडली। 12 लाख रो गजरो, 13 लाख रो बाजू। सवा करोड री रे रोम थारी मुंदडली। कटे पेरू रे गजरो, ओ कटे पेरू बाजू। कटे पेरू रे हरि थारी मुंदडली। हाथ मे पेरू गजरो, ओ बोयो मे पेरू बाजू। सटुडी रमावु रे हरि थारी मुंदडली। किकिण बाजे गजरो, ओ किकिण बाजे बाजू। किकिण बाजे रे हरि थारी मुंदडली। रमझम बाजे गजरो, ओ छम छम वाजे बाजू। पियु पियु बोले रे हरि थारी मुंदडली। कणी ने लादो गजरो, ओ कणी ने लादो बाजू। कणी ने लादी रे रोम धारी मुंदडली। राधाजी ने लादो गजरो, रुकमणजी ने लादो बाजू। मीरा बाई ने लादी हरि थारी मुंदडली। अमर वेजो गजरो, अमर वेजो बाजू। बाहरे फेलोनी रे हरि थारी मुंदडली। कटे घड़ायो गजरो, ओ कटे घडायो बाजू। कटे घडायी रे राम थारी मुंदडली।।

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.